दिव्यांग बृजेश ने हार नहीं मानी, अब क्रिकेट में हीरो

डीबी स्टार. इंदौर

आईआईटी इंदौर में डिप्टी मैनेजर के तौर पर पदस्थ बृजेश द्विवेदी भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का हिस्सा हैं। वे दूसरे दिव्यांगों को क्रिकेट के गुर सिखा रहे हैं। आईआईटी का स्टाफ भी उनके इस अभियान में शामिल है।

बृजेश डेढ़ साल की उम्र में पोलियो ग्रस्त हो गए थे। उनका बायां पैर खराब हो गया। छह साल की उम्र से उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। इंटर स्कूल स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के चलते राज्य स्तर की टीम में चुने गए। 1999 में सामान्य बच्चों की टीम भिलाई में भाग लिया। उसी समय मप्र की राज्य स्तरीय दिव्यांग टीम में चुन लिए गए। 2003 में सेंट्रल रेलवे की दिव्यांग टीम में चयन हुआ। 2007 में भारत के चुनिंदा दिव्यांग खिलाड़ियों को लेकर रेस्ट ऑफ इंडिया टीम बनाई गई। बृजेश भी इसमें चुन लिए गए। पारिवारिक परिस्थितियों के चलते 2008 से 2014 तक प्रोफेशनल क्रिकेट से दूर रहे और आईआईटी में नौकरी ज्वाइन कर ली। छह साल बाद इंटर

आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट से फिर खेलना शुरू कर दिया। मार्च 2017 में अजमेर में नेशनल टूर्नामेंट में खेला। यहां के परफॉर्मेंस के आधार पर नवंबर 2017 में पहली बार भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में चुने गए और भारत-बंगलादेश के बीच मैत्री कप में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा बने। फरवरी 2018 में भारत नेपाल के बीच सीसीएल ट्रॉफी हुई। 3-0 से भारत यह शृंखला जीत गया।

Danik Bhaskar (DB Star, Page no. 1), 09.12.2018